कैबिनेट ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा)में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी

लगभग 10200 रोजगार-वर्ष का रोजगार सृजन और लगभग 7.49 मिलियन टन CO2/वर्ष की CO2 समतुल्य उत्सर्जन में कमी

19 जनवरी, 2022 नई दिल्ली ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) में 1500 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश को मंजूरी दी।

इस इक्विटी निवेश से लगभग 10,200 रोजगार-वर्ष के रोजगार सृजन में मदद मिलेगी और लगभग 7.49 मिलियन टन कार्बन डाई ऑक्साइड/वर्ष के कार्बन डाई ऑक्साइड के समतुल्य उत्सर्जन में कमी आएगी।

भारत सरकार द्वारा 1500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त इक्विटी निवेश इरेडा को और अधिक सक्षम बनाएगा :

1. आरई क्षेत्र को लगभग 12000 करोड़ रुपये अतिरिक्त उधार देना, इस प्रकार लगभग 3500-4000 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता के आरई की ऋण आवश्यकता के लिए सुविधाजनक बनाना।
2. इसके नेटवर्थ को बढ़ाना, जिससे अतिरिक्त आरई वित्तपोषण करने के लिए मदद करेगा, इस प्रकार आरई के लिए भारत सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बेहतर योगदान देगा ।
3. पूंजी-से-जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) में सुधार करना ताकि इसके उधार देने और उधार लेने के संबंध में और अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके।

इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने कहा कि ''हम भारत सरकार एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के बहुत आभारी हैं जिनके समर्थन के बिना यह संभव नहीं होता। इरेडा के सीएमडी ने यह भी रेखांकित किया कि, "महामारी की स्थिति के बावजूद, इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 570 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कर पूर्व वार्षिक लाभ (पीबीटी) और वित्तीय वर्ष 2021-22 में 299.90 करोड़ रुपये का कर के बाद सर्वकालिक उच्च अर्ध-वार्षिक लाभ (पीएटी) रुपये अर्जित किया है । टीम इरेडा के सामूहिक और केंद्रित प्रयासों के साथ, हम अगले पांच वर्षों में पांच गुना विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं।"

श्री दास ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि, "इरेडा को वित्तीय वर्ष 2020-21 के एमओयू के लिए 96.93 के स्कोर के साथ 'उत्कृष्ट' दर्जा दिया गया है, जो कि वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 45.83 के स्कोर के साथ 'फेयर' था। यह वास्तव में, इरेडा की वैश्विक महामारी की स्थिति को एक अवसर में बदलने की क्षमता और अप्रत्याशित संक्रमण का प्रबंधन करने की अनुकूलन क्षमता को इंगित करता है। इसलिए, इरेडा निकट भविष्य में अपनी आईपीओ जारी करने के लिए तैयार है।"

इरेडा, एमएनआरई के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक मिनी रत्न (श्रेणी -1) कंपनी है जिसकी स्थापना वर्ष 1987 में अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र के लिए एक विशेष गैर-बैंकिंग वित्तीय एजेंसी के रूप में काम करने के लिए की गई थी। इरेडा पिछले 34 वर्षों से अधिक की तकनीकी-वाणिज्यिक विशेषज्ञता के साथ, आरई परियोजना के वित्तपोषण के लिए एक उत्प्रेरक भूमिका निभाता है जो अन्य वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को इस क्षेत्र में उधार देने के लिए विश्वास दिलाता है।

****